Bihar Board Class 8 Science Solutions Chapter 12 पौधों और जन्तुओं का संरक्षण : जैव विविधता

अभ्यास

(A) निम्न प्रश्नों में से सही विकल्प चुनिए

प्रश्न 1.
धरती पर पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के जीवों की प्रजातियों उनके आपसी संबंध को कहा जाता है
(i) जैव विविधता
(ii) पर्यावरण
(iii) अभयारण्य
(iv) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-
(i) जैव विविधता

प्रश्न 2.
अभयारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान में मना है
(i) कृषि
(ii) चारागाह
(iii) शिकार
(iv) उपर्युक्त सभी
उत्तर-
(iv) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 3.
निम्न में से कौन-से जन्तु विलुप्त होते जा रहे हैं
(i) बाघ
(ii) गैण्डा
(iii) ब्लू वेल
(iv) उपरोक्त सभी
उत्तर-
(iv) उपरोक्त सभी

प्रश्न 4.
राष्ट्रीय जलीय जीव है
(i) ब्लू ह्वेल
(ii) डाल्फिन
(iii) घड़ियाल
(iv) मगरमच्छ
उत्तर-
(ii) डाल्फिन

प्रश्न 5.
कावर पक्षी बिहार में स्थित है
(i) मुंगेर
(ii) गया
(iii) पटना
(iv) बेगुसराय
उत्तर-
(iv) बेगुसराय

(B) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. .... को विश्व जैव विविधता दिवस मनाया जाता है।
2. देश का प्रथम राष्ट्रीय पार्क है .... ।
3. संकटापन्न प्रजातियों की सूची/अभिलेख .... पुस्तक में रहता है।
4. प्रवासी पक्षी सुदूर क्षेत्रों से .... परिवर्तन के कारण पलायन करते
5. फर्न, शैवाल, जिन्को, सायकैड आदि .... पौधे हैं।

उत्तर-

1. 22 मई,
2. जिम कार्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड,
3. रेड डाटा पुस्तक
4. जलवायु
5. जंगली।

(C) कॉलम ‘क’ को कॉलम ‘ख’ से संधि मिलान कीजिए

कॉलम-‘क’	कॉलम-‘ख’
(i) डोडो	(i) बाघ
(ii) गांगेय डॉल्फीन (सोंस)	(ii) एक सींगवाला गैंडा
(iii) वाल्मीकी अभयारण्य	(iii) विलुप्त हो रहे पौधे
(iv) काजीरंगा अभयारण्य	(iv) मॉरीशस के विलुप्त जन्तु
(v) फर्न, जिन्को, सायकेड	(v) गंगा की विलुप्त हो रही स्तनधारी

उत्तर-

1. (iv)
2. (v)
3. (i)
4. (ii)
5. (iii)

(D) निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्रश्न 1.
जैव विविधता से आप क्या समझते हैं?
उत्तर-

पर्यावरण में पेड़-पौधों तथा जीव-जन्तुओं का एक संतुलन है। यदि इनमें से कोई भी घटक की संख्या कम या बहुत ज्यादा होती है तो पर्यावरण असंतुलन की स्थिति में कोई असामान्य प्राकृतिक घटनाएँ घटती रहती – इस प्रकार जैव विविधता का तात्पर्य है। धरती पर पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के जीवों की प्रजातियाँ तथा उनका आपसी एवं पर्यावरण से संबंध ।

विश्व के 12 बड़े जैव-विविधता वाले देशों में भारत का छठा स्थान है। विश्व के 12 जैव विविधता स्थलों में से दो भारत में स्थित हैं। ये हैंपूर्वोत्तर भारत तथा पश्चिमी बाट । भारत के ये दोनों क्षेत्र जैव विविधता के बहुत धनी हैं।

प्रश्न 2.
हमें जैव विविधता का संरक्षण क्यों करना चाहिए?
उत्तर-
पर्यावरण घटक का एक घटक जन्तु-जगत तो दूसरा घटक पादप जगत है। जन्तु-जगत सिर्फ और सिर्फ मानव या पर्यावरण को क्षति ही नहीं पहुँचाता है बल्कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से वह मानव तथा पर्यावरण के लिए उपयोगी होते हैं। पर्यावरण को संतुलित रखने में जंगलों का बड़ा महत्व है। जंगल के ऊपर ही हमारी वायुमंडलीय घटना निर्भर करती है जैसे-वर्षा, गर्मी, जाड़ा इत्यादि । विभिन्न जीव-जन्तु के एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं। इतना

ही नहीं ये सभी जीव मानव जाति को भी किसी-न-किसी रूप में लाभ पहुँचाते हैं। जैसे-न जाने, कितनी मछलियाँ मानव के लिए जल स्रोतों को साफ की होगी और अन्ततः अपनी जान देकर मानव के पेट की तृष्णा को शांत की होगी। मेढ़क यदि नहीं होता तो कीट-पतंगों की संख्या इतनी अधिक हो गई होती कि मानव को परेशान करके रख देता। अत: जैव विविधता का संरक्षण
करना चाहिए।

प्रश्न 3.
विनाश के मुख्य कारण एवं उसके प्रभाव बताइये।
उत्तर-
जैव विविधता के विनाश के अनेक कारण हैं। बहुत हद तक तो मानवीय क्रिया-कलाप दोषी है तो दूसरी तरफ प्राकृतिक घटना या जलवायु परिवर्तन भी दोषी है परन्तु प्राकृतिक घटना या जलवायु परिवर्तन में भी कहीं-न-कहीं प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मानव ही दोषी है। विनाश के मुख्य कारणों को इस प्रकार लिखा जा सकता है।

1. वनों का कृषि-भूमि में परिवर्तन ।
2. स्थानांतरी का झूमिंग कृषि ।
3. वनों का चारागाहों में परिवर्तन ।
4. अतिचारण।
5. वनाग्नि।
6. आर्थिक कारक।
7. बहुउद्देशीय नदी-घाटी परियोजनाएँ।
8. घास के मैदानों का नष्ट होना।
9. वायु-जल एवं मृदा प्रदूषण के संकट ।
10. जलवायु परिवर्तन ।

जैव विविधता के विनाश का प्रभाव हमारे पर्यावरण पर बहुत ज्यादा पड़ रहा है जो इस प्रकार है।

1. जलवायु परिवर्तन
2. भूमंडलीय तापन
3. स्वास्थ्य पर प्रभाव
4. कृषि उत्पादन में कमी
5. वन्य जीवों की क्षति
6. कार्यक्षमता पर प्रभाव
7. महामारी
8. प्राकृतिक प्रकोप इत्यादि।

प्रश्न 4.
रेड डाटा पुस्तक क्या है?
उत्तर-
संकटग्रस्त प्राणियों के संरक्षण एवं संख्या में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। संकट में
पड़े वन प्राणियों की स्थितियों को आठ श्रेणियों में सूचीबद्ध किया गया है। इस सूची को रेड डाटा सूची कहते हैं। यानी वह पुस्तक जिसमें सभी. संकटापन्न प्रजातियों का रिकार्ड रखा जाता है।

प्रश्न 5.
प्रवास से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर-
जलवायु परिवर्तन के कारण साइबेरिया जैसी जगहों से निश्चित समय पर उड़कर यहाँ अंडे देने के लिए आते हैं। चूँकि उनके मूल आवास में अत्यधिक ठंड पड़ता है। इसलिए वह स्थान उस समय जीवन-यापन हेतु अनुकूल नहीं होता। इसी यात्रा को प्रवास कहते हैं। इस यात्रा को तय करने वाले पक्षी को प्रवासी पक्षी कहते हैं। ये हमारे यहाँ कुछ ही दिनों के लिए आते हैं और फिर वापस चले जाते हैं।

प्रश्न 6.
अभयारण्य एवं राष्ट्रीय पार्क से क्या तात्पर्य है? अपने राज्य के किन्हीं दो अभयारण्यों के नाम लिखें।
उत्तर-
पेड़-पौधे तथा जीव-जन्तु को सुरक्षित रखने के लिए समाज तथा सरकार ने कुछ जगहों को संरक्षित किया है।

कानूनी रूप से सुरक्षित जंगल, जहाँ जंगली जन्तु स्वतंत्र रूप से निवास करते हैं और इनके साथ छेड़-छाड़ करना एवं इनका शिकार करना प्रतिबिंधित होता है। अभयारण्य कहलाते हैं। वन्य जन्तुओं के लिए आरक्षित क्षेत्र जहाँ वे स्वतंत्र रूप से आवास एवं प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करते हैं। राष्ट्रीय पार्क कहलाते हैं। जैसेरणथम्भौर, राष्ट्रीय पार्क, राजस्थान, जिम कार्बेट नेशनल पार्क उत्तराखंड ।

बिहार राज्य में स्थित अभयारण्य–वाल्मिकी अभयारण्य गौतम बुद्ध अभयारण्य, गया।

प्रश्न 7.
प्रोजेक्ट टाइगर के बारे में संक्षेप में बताइये।
उत्तर-
बाघ जंगली पशु है। जिसका अस्तित्व खतरे में है शिकारियों 'द्वारा इसके खाल, हड्डी, दांत,

नाखून आदि के लिए इनका प्रायः शिकार किया जा रहा है। इससे सुरक्षा के लिए बाघ को राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया है। बाघ को बचाने तथा इसमें वृद्धि के लिए एक रणनीति बनाई गई जिसे बाघ परियोजनाएँ या प्रोजेक्ट टाइगर कहा गया ।

प्रश्न 8.
अपने घर या विद्यालय को हरा-भरा रखने के लिए आप क्या कर सकते हैं? अपने द्वारा की जाने वाली क्रियाकलाप की सूची तैयार कीजिए।
उत्तर-
घर या विद्यालय को हरा-भरा रखने के लिए निम्नलिखित क्रिया-कलाप करेंगे।

1. घर के आगे तथा चारों तरफ क्यारियाँ तैयार करेंगे।
2. विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधों तथा फल के पौधे लगाएँगे।
3. उचित सिंचाई का प्रबंध करेंगे।
4. समय-समय खाद तथा छिड़काव करते रहेंगे।
5. उसकी पत्ती तथा फूल-फल को समय-समय तोड़ते रहेंगे इत्यादि ।